और कमी हो गयी। मार्च 1971 में गैस पर अक्सर प्रतिबन्ध लगाये जाने, कोल हैंडलिंग प्लांट में नियमानुसार कार्य करो आन्दोलन तथा 23 अप्रैल 1971 को टूल-डाउन हड़ताल के कारण उत्पादन पर बुरा प्रभाव पड़ा।

(ग) प्रबन्धक वर्ग तथा यूनियनों में द्विपक्षीय बातचीत, प्रोत्साहन योजनाओं का पुनरीक्षण, शिकायत निवारण, समितियों की स्थापना आदि द्वारा मालिक मजदूर सम्बन्धों में सुधार लाने के हर सम्भव प्रयत्न किए जा रहे हैं।

गेहूं की वसूली में भारतीय खाद्य निगम के अधिकारियों द्वारा तथाकथित गड़बड़ी

5636. श्री कमल मिश्र मधुकर :

श्री प्रबोध चन्द्र : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान इस तथ्य की ओर दिलाया गया है कि भारतीय खाद्य निगम में कुछ अधिकारी किसानों द्वारा बिक्री के लिए लाए गए गेहूं को जानबूझकर घटिया घोषित करते हैं और इस प्रकार उनको परेशान करते है और गेहूं की वसूली में बड़े पैमाने पर गड़बड़ करते हैं ;

(ख) ऊपर बताये गये तथ्यों के बावजूद अधिकारियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही न किये जाने के क्या कारण हैं;

(ग) क्या भारतीय खाद्य निगम द्वारा उत्तर प्रदेश और बिहार में वसूल किए गए गेहूं के निरीक्षण के लिए सरकार प्रबन्ध करेगी और इस बात की भी जांच करेगी कि किस प्रकार गड़बड़ी हो रही है और किसानों को परेशान किया जा रहा है; और

(घ) यदि हां, तो कब तक ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहिब पी. शिंदे) : (क) और (ख). इस संबंध में कुछ शिकायतें प्राप्त हुई हैं और जैसे ही ये शिकायतें प्राप्त हुई थी तभी उनकी जांच करने के बारे में कार्यवाही की गई है।

(ग) और (घ). भारतीय खाद्य निगम के स्थानीय अधिकारी मंडियों में गेहूं की खरीदारी के समय सामान्य किस्म संबंधी जांच करते है। खरीदी गई गेहूं की भारतीय खाद्य निगम के किस्म नियंत्रण प्रभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पुन: जांच की जाती है और गेहूं के नमूनों की निगम की प्रयोगशालाओं में विश्लेषण द्वारा भी जांच की जानी होती है। इसके अतिरिक्त, क्योंकि उत्तर प्रदेश की मंडियों में कठिनाइयों की शिकायतों की संख्या बहुत अधिक थी, इसलिए जिलाधीशों को स्थानीय समितियां गठित करने और अनाज की किस्म के बारे में स्थल पर ही निर्णय लेने के लिए प्राधिकृत कर प्रबन्ध किया गया था। इन प्रबन्धों तथा निगम के उच्च तकनीकी अधिकारियों द्वारा अधिजांच करने और प्रयोगशाला में विश्लेषण करने की दृष्टि में अधिप्राप्त गेहूं के निरीक्षण के लिए कोई और प्रबन्ध करना आवश्यक नहीं समझा जाता है।

Storing of wheat in Schools, Colleges and Private Godowns in Bulandshahr

5637. SHRI RAJ DEO SINGH : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government are aware that four lakh bags with wheat were dumped in Schools, Colleges and Private Godowns for want of rail wagons at Bulandshahr; and

(b) if so, what is the position today ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI